कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें : www.cicr.org.in

अंक: 3 खंड: 6 जून 16–21, 2015

मध्यावधि संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक आयोजित

मध्यावधि संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक दि. 20.6.2015 को नागपुर में आयोजित की गयी । डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर ने बैठक की की अध्यक्षता की । अध्यक्ष ने सभा को के.क.अ.सं. में कार्यग्रहण किए नए वैज्ञानिकों के बारे में अवगत कराया एवं आवश्यक अनुसंधान का समर्थन प्रदान करने के लिए उन्हें आश्वासन दिया । अध्यक्ष ने नई वैज्ञानिकों द्वारा परियोजनाओं की भलाई के निर्माण के लिए सभी उपस्थित वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि उन्हें सुझाव/विचारों एवं टिप्पणी प्रदान किया जाएँ । डॉ. डी.वी.पाटिल (पौधा प्रजनन), डॉ. ए. मणिवण्णन (पौधा प्रजनन), डॉ सुनील महाजन (बीज प्रौद्योगिकी) डॉ. आर राजा (कृषि विज्ञान), डॉ. सविता संतोष (सूक्ष्म जीव विज्ञान), डॉ. शैलेश गावंडे (पौधा रोग विज्ञान) ने नई परियोजनाओं को प्रस्तुत किया और ये आय.आर.सी द्वारा अनुमोदित किए गये। ।

डॉ. अहमद मोहम्मद अब्द अल-मोग्नी, (कपास प्रजनन, मिस्र), आर.टी.एफ – डी.सी.एस ने छह महीने के अपने शोध कार्यक्रम प्रस्तुत किया । डॉ. एनी शीबा (पौधा दैहिकी) और डॉ. वी.एस.नगरारे (कीट विज्ञान) ने आगामी मौसम के दौरान आयोजन किया जाने के नए प्रयोगों को प्रस्तुत किया । डा. एच.बी.संतोष, डॉ. ए. मणिकंडन और डॉ. वी चिन्ना बाबू नाईक रेपोर्टियर्स थे । डॉ. वी. एस.नगरारे, सचिव, आई.आर.सी ने बैठक का समन्वित किया । डॉ. जे. एच.मेश्रम, संयुक्त सचिव आई.आर.सी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया ।

गीज़ा, मिस्र शोधक के लिए आर.टी.एफ–डीसीएस के तहत छह महीने का प्रशिक्षण

डॉ. अहमद मोहम्मद अब्द अल - मोग्नी, शोधक (कपास प्रजनन), कपास प्रजनन विभाग कपास अनुसंधान संस्थान (सी.आर.आई), कृषि अनुसंधान केंद्र (ए.आर.सी), गीज़ा,मिस्र ने दि. 2 जून, 2015 को भा.कृ.अ.प - के.क.अ.सं., में दि. जून 2015 को "विकासशील देश के वैज्ञानिकों के लिए (आर.टी.एफ-डी.सी.एस) अनुसंधान और प्रशिक्षण फैलोशिप" योजना के तहत छह महीने के प्रशिक्षण के लिए कार्यभार ग्रहण किया । कार्यक्रम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डी.एस.टी) विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है ।

योजना गुट निरपेक्ष का विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य विकासशील देशों द्वारा समन्वित एवं शुरू कर दिया गया है (नाम एस.टी केंद्र), जो एक अंतर-सरकारी संगठन है और इसमें 47 विकासशील देशों सदस्यों के रूप में हैं, यह छह महीने की अवधि के लिए भारत में प्रमुख शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ अपनी संबद्धता के लिए मौका देने के द्वारा विकासशील देशों से युवा वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण के लक्षय में है । डॉ. अहमद डॉ. सुमन बाला सिंह और डॉ. एच.बी संतोष के मार्गदर्शन में कपास में अजैविक तनाव सहिष्णुता के पहलुओं पर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे ।

दक्षिण चेन्नई तटीय क्षेत्र में कपास पेड़ का पर्यवेक्षण

डॉ. एम. सबेष, वैज्ञानिक, के.क.अ.सं., कोयंबत्तूर द्वारा देसी कपास के अंतर्गत के पांच पेड़ (*जी. अर्बोरियम*) अडयार पार्क, चेन्नई में उनके अपनी पार्क की यात्रा के दौरान देखा गया। यह उद्यान दक्षिणी चेन्नेई में तमिलनाडु सरकार द्वारा हाल ही में पुन:स्थापन किया गया है । इसमें पेड़ 10 से 12 फीट ऊँचाई में लाल रंग के फूलों सहित हैं, जिसमें 60-70 खुले गूलर हैं । कपास पेड के एतिहासिक परिप्रेक्ष्य को जानने हेतु एवं आगे की अध्ययन हेतु बीज संग्रहित करने के लिए एक और अध्ययन की जरूरत है ।

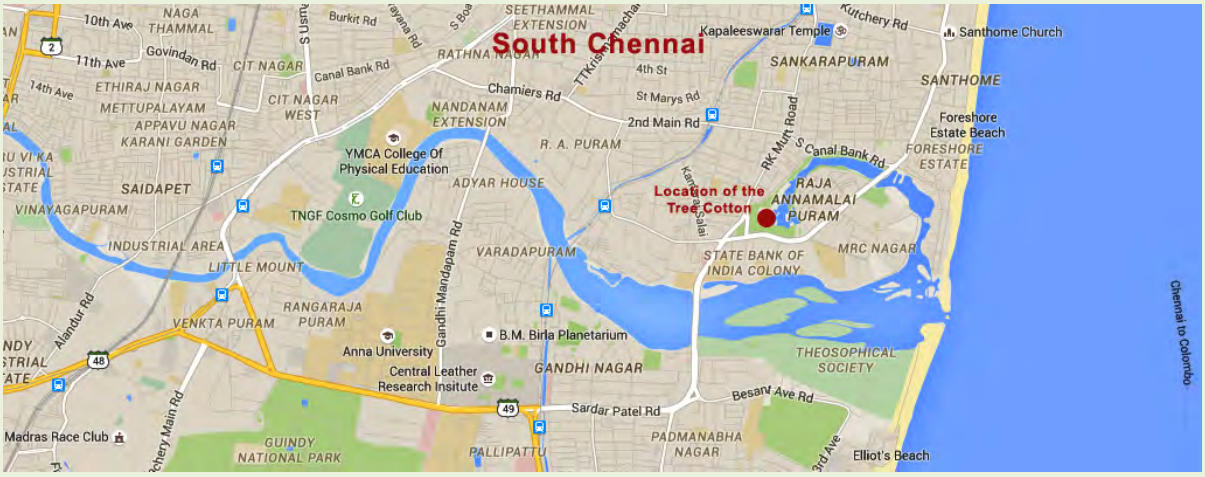

वैज्ञानिक वार्ता

साप्ताहिक वैज्ञानिक भाषण की एक भाग के रूप में, डॉ. (श्रीमती) एस. उषा रानी, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि विस्तार), ने "पिरामिड-प्राचीन विश्व के अद्भुत आश्चर्य" पर दि. 15 जून, 2015 को एक भाषण दिया। उनकी भाषण में, वे विभिन्न पिरामिड के इतिहास और विकास सहायक प्रशंसा पत्र सहित ग्रेट पिरामिड में उपस्थित संरचनाओं, ग्रेट पिरामिड के बारे में मन संदेह तथ्यों, इसके शान के बारे में जिज्ञासु सवाल, विभिन्न मिथकों और वास्तविकताओं पर प्रकाश डाला ।

साप्ताहिक कपास सलाहकार

कपास की खेती के लिए साप्ताहिक कपास सलाहकार कुछ कपास से बढ़नेवाले राज्यों में मौसम के शुरू होने के साथ प्रारंभ किया गया है । सलाहकार, में जिलेवार मौसम पूर्वानुमान और सलाहकार चूसने कीट प्रबंधन; गूलर प्रबंधन; रोग प्रबंधन; खरपतवार प्रबंधन; जल जमाव प्रबंधन; और सामान्य फसल स्वास्थ्य प्रबंधन भी शामिल है । सलाहकार साप्ताहिक आधार पर जारी किया जाता है और ऑनलाइन http://www.cicr.org.in/weekly_advisory.htm पर उपलब्ध है । सलाहकार राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक और के.क.अ.सं, के वैज्ञानिकों की टीम के इनपुट पर आधारित है ।

कपास में फ्रान्ट लाईन प्रदर्शनों

के.क.अ.सं., नागपुर कपास – सोयाबीन अन्तराल फसल पर जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन करता है

के.क.अ.सं., नागपुर कपास – सोयाबीन अन्तराल फसल पर फ्रान्ट लाईन प्रदर्शनों नागपुर और वर्धा जिलों में किसानों के क्षेत्र में कार्यान्वित कर रहा है । अन्तराल फसल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए दि. 19.6.2015 को वर्धा जिले के समुद्रपुर तहसील के गिराड के पास के जोगीनगुम्फा गांव में एक दिन का जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया । डॉ. एस.एम.वासनिक, प्रमुख वैज्ञानिक (कृषि विस्तार), के.क.अ.सं., नागपुर ने अन्तराल फसल के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों को कपास की दो पंक्तियों में सोयाबीन, मूंग, उड़द की कम अवधि लेने के लिए सलाह दिया । इस अवसर अन्तराल फसल परीक्षणों हेतु *ब्राडिरहिझोपियम जापोनिकम* के 35 पैकेट सोयाबीन बीज उपचार के लिए किसानों को आपूर्ति की गई ।

के.क.अ.सं., सिर्सा द्वारा एच.डी.पी.एस. परीक्षणों पर यात्राओं का आयोजन

के.क.अ.सं., सिर्सा ने गोरावाली एवं खरीयन गांव में 2015-16 के दौरान कपास में उच्च घनत्व रोपण प्रणाली पर प्रदर्शनों (एच.डी.पी.एस.) के परीक्षणों का आयोजन किया एवं दि. 17.6.2015 को टीम द्वारा दौरा किया गया । किसानों को नियमित रूप से फसल पर नजर रखने की एवं मातम से क्षेत्रों को मुक्त रकने की सलाह दी गई । टीम ने लगभग 35 एच.डी.पी.एस. परीक्षणों का दौरा किया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, के.क.अ.सं., नागपुर एच.डी.पी.एस. पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करता है

कृषि विज्ञान केंद्र, के.क.अ.सं., नागपुर ने गोदानी, उम्रेड तहसील में सूरज की एच.डी.पी.एस.पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम दि. 17.6.2015 को 40 कपास उत्पादकों हेतु आयोजित किया । श्रीमती सुनीता चौहान, विषय-वस्तु विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं डॉ. यू. नंदनकर, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया । ग्रामीणों को वर्षा आधारित हलके मिट्टी में, सूरज के बीज की उपयुक्तता के बारे में, बीज दर, बुवाई तकनीक और न्यूनतम निवेश के साथ उसके उत्पादकता के बारे में पता किया गया । कार्यक्रम श्री. राजहंस मॉन्डवकर, अध्यक्ष, आदर्श ग्राम, गोदानी की अध्यक्षता में किया गया था और श्री. शेखर मेश्रम, कृषि सहायक, उम्रेड ने भी कार्यक्रम में भाग लिया ।

बैठकों में भाग लेना

कपास स्ट्रिपर परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने के लिए एक संयुक्त बैठक महिंद्रा एवं महिंद्रा लिमिटेड द्वारा दि. 15 जून, 2015 को मोहाली में आयोजित की गयी थी । के.क.अ.सं., के वैज्ञानिकों डॉ. गौतम मजूमदार और डॉ. डी. मोंगा, सिर्सा, फार्म मशीनरी इकाई, पी.ए.यू., लुधियाना के वैज्ञानिकों एवं महिंद्रा एवं महिंद्रा के अप्लीट्राक के कर्मचारियों ने भाग लिया । कपास बीनने परियोजना के तहत के काम की प्रगति, पेटेंट आवेदन के मुद्दे, विभिन्न संगठनों के बीच समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने, और बजट प्रावधानों पर चर्चा की गई ।

निर्मित एवं प्रकाशित:	डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक:	डॉ. एस. एम. वास्निक
संपादकों:	डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम. शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन:	डॉ. एम. सबेष एवं श्री. एस. सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद:	श्रीमति. के. सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश

प्रमाण: कपास नई खोज, अंक – **3**, खंड – **6, 2015**, भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है ।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com